पीआर नंबर 62971
संपादक यह विज्ञप्ति आपको एशियानेट के साथ हुई व्यवस्था के तहत भेजी जा रही है । पीटीआई पर इसका कोई संपादकीय उत्तरदायित्व नहीं है ।

ओशनवाइड एक्सपेडीशंस ने अंटार्कटिका में रोस सागर में नए गंतव्यों की घोषणा की
व्लिसिजेन, द नीदरलैंड्स, 5 जनवरी/पीआरन्यूजवायर-एशियानेट-

2013 और 2015 में सफल परिचानलन अन्वेषण के बाद डच पोलर क्रूज कंपनी ओशनवाइड एक्सपेडीशंस ने 2017 के लिए रोस सागर में दो नए एक्पेडीशंस की घोषणा की है । आइस स्ट्रेंथेंड वेसल "ओर्टेलियस" दो अंटार्कटिका क्रूजों के लिए हेलीकाप्टरों के साथ व्यवस्थित किया जाएगा [https://oceanwide-expeditions.com/antarctica/ross-sea] जो दक्षिण अमेरिकी द्वीप से अंटार्कटिक प्रायद्वीप के बीच विचरण कर रहे हैं, पोलर सर्किल को पार करते हुए, आगे पीटर आई आइलैंड के दक्षिण में, बेलिंगया०ाउसेन सागर मे ंविचरण करते हुए, रोस सागर में "गहरे अंटार्कटिका" के आइस एज के साथ । यात्रा गैर आबादीय उप अंटार्कटिक कैंपबेल आइलैंड में जारी रहती है और 32 दिन बाद न्यूजीलैंड में खत्म होती है । दूसरा क्रूज इसी तरह की इटिनैररी आफर करता है, लेकिन रिवर्स में ।

रोस सागर चुनौती
अंटार्कटिका का रोस सागर क्षेत्र ने हमेशा एक स्वप्न प्रस्तुत किया है, साथ ही अन्वेषकों के लिए एक चुनौती भी पेश की है । रोस आइस शेल्फ पूर्ण मौसमी अभियान को रोकती है और दूरियां व्यापक हैं । एक्सट्रीम्स के अतिरिक्त, लैंडिंग स्थलों पर पहुंचना अब भी मुश्किल है । "आर्टेलियस" के लाभों के साथ हेलीकाप्टरों के उपयोग के साथ, हमारे ट्रैवलर्स अंटार्कटिक के सर्वाधिक फैसिनेटि।ग स्थलों के कुछ बडे अन्वेषण अवसर रखते हैं," सीईओ मिशेल वैन गेसेल ने कहा ।

ऐतिहासिक खोज यात्राएं

ब्रिटिश पोलर अन्वेषक सर जेम्स क्लार्क रोस ने 1841 में रोस सागर क्षेत्र की खोज की थी । दक्षिणी ध््रा०ुव के लिए असल दौड. शुरू होने के 60 साल पहले इसने 60 साल और लिए जब ब्रिटिश रायल जियोग्राफिक सोसाइटी ने राबर्ट फाल्कन स्काट को 1901 में उनकी यात्रा पर भेजा , इसके बाद अर्नेस्ट शैकलेटोन :1907-09:, जापानी अन्वेषक नोबू शिरासे :1910-12: , और स्काट के अन्य प्रयास तथा 1911 में नार्वे के अन्वेषक रोनाल्ड

अमुंडसेन की यात्रा हुई । अन्वेषण की इस स्वर्णिम अवधि के अनेक रेलिक्स :जैसे कि स्काट और शैकलेटोन के हट्स: आज भी मौजूद हैं, जो ठंड की वजह से संरक्षित हैं, ये आज के युग के अन्वेषकों की यात्रा के लिए तैयार हैं ।

अभियान

रोस सागर के इस सुदूर दक्षिण में अब तक बहुत कम अभियान हुए हैं । ओशनवाइड एक्सपेडीशंस इस तरह के क्षेत्रों में जैसे कि दुर्लभ ही यात्रा किए जाने वाले ज्वालामुखीय पीटर आई आइलैंड, रोस आइलैंड में ब्रिटिश अन्वेषकों अर्नेस्ट शैकलेटोन और राबर्ट फाल्कन स्काट के हट्स, मैक्मुर्डो स्टेशन, ड्राई वैलीज- जहां स्थितियां आपके मंगल के करीब होने की हैं- और कैंपबेल आइलैंड, सदर्न रायल अल्बाट्रोसेज, में यात्रियों को लैंड कराने की कोशिश करते हैं ।
यात्रा में पृथ्वी पर अंतिम वाइल्डरनेस में से एक रखती है, मुश्किल से प्रभावित, मनुष्यों द्वारा यात्रा । यात्री अंटाकर््रटिका में सबसे बडे आइस फार्मेशंस का अनुभव करेंगे और इसकी अतुलनीय कठिन परिस्थितियों के बावजूद जीवन की अद्भुत विविधता देखेंगे । रोस सागर मिंके व्हेलों, ओर्काज वेडेल और क्रैबीटर सील्स, एडिली और एंपरर पेंगुइनों, पीट्रेल्स तथा स्कुआस का घर है ।

कंटेस्ट
ओशनवाइड एक्सपेडीशंस हर किसी को नि:शुल्क क्रूज यात्रा की पेशकश कर रहा है [https://oceanwide-expeditions.com/contest] उनकी ओर्टेलियस यात्रा पर एक रोस सागर प्रतियोगिता के साथ जो वे वर्तमान में संचालित कर रहे हैं ।

ओशनवाइड एक्सपेडीशंस के बारे में :

1996 से ओशनवाइड एक्सपेडीशंस [https://oceanwide-expeditions.com] आर्कटिक और अंटार्कटिका के पोलर अभियानों के एक छोटे समूह की पेशकश कर रहा है । वे खुद, वाहनों एम/वी प्लैंसियस :116 पैक्स:, एम/वी आर्टेलियस :116 पैक्स:, एस/वी रेंब्रांट वैन रिजिन :33 पैक्स: और एस/वी नूरडेरलिंट :20 पैक्स: को प्रबंधित और संचालित करती है । वाहन यात्राी वाहनों के लिए उच्चतम अंतराष्ट्रीय सुरक्षा मानकों का पालन करते हैं जैसे कि सोलास :सेफ्टी आफ लाइफ एट सी: और पैक आइस तथा दूरस्थ नैरो वाटरवेज के जरिए क्रू को सुरक्षित नौवहन की अनुमति देते हैं ।

ओशनवाइड आर्कटिक में मार्केट लीडर है और विश्व के अग्रणी पोलर एक्सपेडीशन आपरेटर होने के लिए वल्ड ट्रैवल अवाड्र्स का चार बार का पुरस्कार विजेता है । डच "प्लैंसियस फाउंडेशन" :1981-1996: ओशनवाइड एक्सपेडीशंस का पूर्ववर्ती था। 1983 में इसकी शुरूआत के साथ यह स्पिटस्बेर्गेन में वार्षिक अभियान आयोजित करने के लिए पहला क्रूज आपरेटर है ।

स्रोत : Oceanwide Expeditions

Florian Piper (German press) / Michel van Gessel (other languages)
+31 (0) 118 410 410
press@oceanwide-expeditions.com